ऊँ

श्री राजराजेश्वर्यष्टकं

अम्बा शाम्भवी चन्द्रमौलिरबलाऽपर्णा ह्युमापार्वती,
काली हैमवती शिवा त्रिनयनी कात्यायनी भैरवी।
सावित्री नवयौवना शुभकरी साम्राज्यलक्ष्मीप्रदा,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। १।।

अम्बा मोहिनी देवता त्रिभुवनी ह्यानन्दसंदायिनी,
वाणी पल्लवपाणी वेणुमुरलीगानप्रियालोलिनी।
कल्याणी ह्युडुराजबिम्बवदना धूम्राक्षसंहारिणी,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। २।।

अम्बा नूपुररत्नकंकणधरी केयूरहारान्विता,
जाजीचंपकवैजयन्तिलहरी ग्रैवेयकै राजिता।
वीणावेणुनिनादमंडितकरा वीरासने संस्थिता,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ३।।

अम्बा रौद्रिणी भद्रकाली बगला ज्वालामुखी वैष्णवी,
ब्रह्माणी त्रिपुरान्तकी सुरनुता देदीप्यमानोज्ज्वला।
चामुण्डाश्रितरक्षपोषजननी दाक्षायणी पल्लवी,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ४।।

अम्बा शूलधनुःकुशांकुशधरी ह्यर्धेन्दुबिम्बाधरी,
वाराही मधुकैटभप्रशमनी वाणीरमासेविता।
मल्लाद्यासुरमूकदैत्यदमनी माहेश्वरी ह्यम्बिका,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ५।।

अम्बा सृष्टिविनाशपालनकरी ह्यार्यादिसंसेविता,
गायत्री प्रणवाक्षरामृतरस - पूर्णानुसंधीकृता।
ऊँकारी विनतासुतार्चितपदा ह्युद्दण्डदैत्यापहा,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ६।।

अम्बा शाश्वती चागमादिविनुता ह्याद्या महादेवता,
या ब्रह्मादिपिपीलिकान्तजननी या वै जगन्मोहिनी।
या पंचप्रणवादिरेफजननी या चित्कलामालिनी,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ७।।

अम्बा पालितभक्तराजरचितं ह्यम्बाष्टकं यः पठेत्,
अम्बा लोककटाक्षवीक्षललिता चैश्वर्यमव्याहता।
अम्बा पावनमन्त्रराजपठनादन्ते च मोक्षप्रदा,
चिद्रूपी परदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।। ८।।

।।इति श्री राजराजश्वर्यष्टकं संपूर्णम्।।

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM